*अध्ययन सामग्री
विषय- हिन्दी
स्नातक प्रतिष्ठा(खण्ड-3)
प्रश्न पत्र- षष्ठ
समसोक्ति अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण
पदनाम- डॉ स्मिता जैन
एसोसिएट प्रोफेसर
हिंदी विभाग
एच डी जैन कॉलेज, आरा*
22:35 ✓✓

Scanned with CamScanner

(11)

समासोक्ति अलंकार

यदि प्रस्तुत के वर्णन से अप्रस्तुत की प्रतीति हो तो समासोक्ति अलंकार होता है।

समासोक्ति का अर्थ है समास (संक्षेप) से उक्ति (कथन) उसमें वर्णन सिर्फ प्रस्तुत का रहता है और उससे अप्रस्तुत की भी प्रतीति होती है। एक के वर्णन से दो का बोध कराना संक्षेप ही तो हुआ।

" ओस-बिन्दु की मालाओं का भूषणभार संभाले,
उतर रही मुग्धा ऊषा रवि के कर में कर डाले"
— नूरजहाँ

यहाँ विशेषण 'मुग्धा', कार्य-भूषणभार संभालना और कर में कर डालकर चलना तथा लिंग- ऊषा में स्त्रीलिंग और रवि में पुल्लिंग, इन तीनों के आधार पर प्रस्तुत ऊषा - रवि के वर्णन में अप्रस्तुत कैशानेबुल, अप-टु-डेट नायिका-नायिका की प्रतीति हो रही है।

Scanned with CamScanner